नमूना प्रश्न पत्र
व्यवसाय अध्ययन
(माध्यमिक पाठ्यक्रम)

आप अवगत होंगे कि हमने व्यवसाय अध्ययन के पाठ्यक्रम को पुनरीक्षित किया है। यह फेरबदल वर्ष 2012-13 से किया गया है। इस नये पाठ्यक्रम की यह नई पुस्तक है। परीक्षा के तरीके/विधि में कुछ बदलाव किया गया है साथ ही प्रश्न पत्रों के नमूना में भी बदलाव किया गया है। आगे के पृष्ठों में आप प्रश्न पत्र को नये डिजाइन में पायेंगे तथा नये तरह के प्रश्नपत्रों में नमूना प्रश्न पत्र तथा अंक योजना (मार्किंग स्कीम) भी होगी। प्रश्न पत्र आपका मार्ग दर्शन करेंगे कि प्रश्न किस प्रकार के हैं, प्रत्येक प्रश्न के कितने अंक है, तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम (Module) के कितने अंक है ?

इस नमूना के प्रश्न पत्र में उसी प्रकार के प्रश्न होंगे, जैसे कि आप अपनी अन्तिम (Final) परीक्षा में पायेंगे। उदाहरण के लिये आप विभिन्न रूचि के 10 प्रश्न पायेंगे। प्रत्येक का 1 अंक होगा; 5 प्रश्न लघु उत्तर के होंगे, प्रत्येक के 3 अंक होंगे; 5 प्रश्न लघु उत्तर के होंगे, प्रत्येक के 4 अंक होंगे; 5 प्रश्न दीर्घ उत्तर के होंगे, जो 5 अंक के होगे और 5 प्रश्न अति दीर्घ उत्तर के होंगे, प्रत्येक के 6 अंक होंगे। इस प्रकार से कुल 30 प्रश्न व कुल 100 अंक होगें।

नमूना का प्रश्न पत्र, अंक योजना (मार्किंग स्कीम) के साथ है जो सम्भावित उत्तर (वैल्यू पाइन्ट) सहित है। प्रश्न को कैसे हल किया जाय इसमें सहायता मिलेगी।

अंको का विभाजन वैल्यू पाइंट के साथ-साथ प्रत्येक उत्तर के साथ दिया गया है।

हमें आशा है कि आप अंक योजना (मार्किंग स्कीम) को कोर्स पूरा करने में लाभप्रद पायेंगे।

यदि आपको, किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई है, तो आप N.I.O.S को लिखने के लिये स्वतंत्र है।

नमूना प्रश्न पत्र

विषय – व्यवसाय अध्ययन | **कक्षा : X**

अधिकतम अंक : 100 | **समय : 3 घंटे**

1. वस्तुनिष्ठ द्वारा अंक

वस्तुनिष्ठ	अंक	कुल अंकों का प्रतिशत
ज्ञान	30	30
समझना	50	50
प्रयोगात्मक	20	20
योग	**100**	**100**

2. विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के अंक

प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रत्येक प्रश्न के अंक	कुल अंक	अनुमानित समय जो एक एक परीक्षार्थी लेगा
वस्तुनिष्ट प्रश्न	10	1	10	10
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न	5	3	15	25
लघु उत्तरीय प्रश्न	5	4	20	30
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5	5	25	50
अतिदीर्घ उत्तरीय प्रश्न	5	6	30	50
योग	**30**		**100**	**165 + 15 = 180**

3. विषय वस्तु के अनुसार अंक

	पाठ्यक्रम	अंक
1.	व्यवसाय का परिचय	12
2.	व्यवसायिक संगठनों के स्वरूप	15
3.	सेवा क्षेत्र	25
4.	क्रय, विक्रय तथा वितरण	20
5.	उपभोक्ता जागरूकता	16
6.	व्यापार में जीविकोपार्जन के अवसर	12
7.	परियोजना कार्य	00

नमूना प्रश्न पत्र
व्यवसाय अध्ययन
(माध्यमिक पाठ्यक्रम)

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 100**

सभी प्रश्नों के उत्तर दो

1. निम्नलिखित में कौन सा ''संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय'' का गुण/विशेषता नहीं है – (1)
   अ) जन्म से सदस्यता ब) कर्ता का असीमित दायित्व
   स) मृत्यु से अप्रभावित द) परिवार का सबसे कम आयु का सदस्यकर्ता है।

2. सार्वजनिक कम्पनी के न्यूनतम सदस्य होते हैं – (1)
   अ) 10 ब) 02 स) 50 द) 07

3. सहकारी उपभोक्ता समिति बनाई जाती है –
(1)
   अ) सदस्यों को गृह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए
   ब) सामान को बाजार में क्रय विक्रय करने के लिए
   स) उपभोक्ता के हित की रक्षा करने के लिए
   द) सदस्यों को आर्थिक सहायता के लिए

4. निम्न में से कौन-सा कार्य भंडारण का नहीं है – (1)
   अ) सामान का संग्रह (स्टोर करना)
   ब) जोखिम उठाना
   स) विज्ञापन
   द) श्रेणी विभाजन तथा ट्रेड मार्किंग

5. निम्न में से कौन सा ''विशेष बैंक'' का उदाहरण है – (1)
   अ) स्टेट को आपरेटिव बैंक ब) इम्पोर्ट बैंक ऑफ इण्डिया
   स) विकास बैंक द) सैन्ट्रल बैंक

6. एक जागरूक क्रेता, विक्रेता से सामान के सम्बन्ध में विस्तार से जानना चाहता है। वह किस प्रकार का पत्र लिखेगा ? (1)
   अ) निर्ख ब) व्यापारिक पूछताछ पत्र
   स) आदेश पत्र द) शिकायती पत्र

7. विक्रय की किस विधि में भुगतान किस्तों में किया जाता है ? (1)
   अ) निविदा के द्वारा बिक्री ब) किराया क्रय के आधार पर
   स) नीलामी द्वारा द) वाश सेल (माल को निपटाने वाली बिक्री)

8. किस अधिकार के अन्तर्गत उपभोक्ता, दोषपूर्ण सामान के बदले में नया सामान प्राप्त कर सकता है अथवा विक्रेता से सामान की कीमत वापिस मांग सकता है ? (1)

अ) सुरक्षा का अधिकार ब) माल के बदलने अथवा सुधारने के अधिकार

स) चुनने का अधिकार द) सुने जाने के अधिकार

9. कैरियर प्लानिंग (जीविका योजना) में होते हैं : (1)

अ) स्वयं का व्यवसाय शुरू करना

ब) योग्य व्यवसाय चुनने के सम्बन्ध में सकारात्मक तथा नकारामक सोचना

स) किसी/एक काम को करना अथवा काम से जुड़ना

द) व्यवसाय के साथ समायोजन करना

10. कोई उद्यम और व्यवसाय चुनते समय दिमाग/मन में यह अवश्य रखना चाहिए : (1)

अ) लाभ मिलना ब) जोखिम का होना

स) लाभ द) उक्त से अधिक

11. व्यवसाय को समाज के प्रति क्यों उत्तरदायी होना चाहिए ? कोई तीन कारण बताएं। (3)

12. पेशे के किन्हीं तीन गुणों की व्याख्या करें। (3)

13. व्यवसायिक संगठन में साझेदारी के गुणों की व्याख्या करें। (3)

14. क्रय करने के निम्नलिखित तरीके को विस्तार से समझाइए : (3)

i. निरीक्षण द्वारा क्रय

ii. नमूने के द्वारा क्रय

15. डाकघर विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है जैसे – डाक, बैकिंग, बीमा सेवाएं तथा और भी कई अन्य प्रकार की सेवाएं प्रदान करता है ? इस प्रकार की तीन सेवाओं की संक्षिप्त में व्याख्या करें। (3)

16. संयुक्त पूंजी कम्पनी क्या है ? तीन विशेषताओं का उल्लेख करें। (4)

17. निम्नलिखित बीमा सिद्धान्तों का संक्षेप में उल्लेख करें : (4)

i. बीमा योग्य लाभ

ii. क्षतिपूर्ति

18. बहुउद्देशीय दुकानों के किन्हीं दो लाभों तथा किन्हीं दो सीमाओं (हानियों) का उल्लेख करें। (4)

19. व्यापारी द्वारा उपभोक्ताओं को कई प्रकार धोखा दिया जा सकता है। ऐसी किन्हीं 4 अनुचित क्रियाओं/बातों के बारे में बताएं, उपभोक्ताओं को जिनका सामना करना पड़ता है। (4)

20. स्वरोज़गार और वेतन रोज़गार में क्या अंतर है ? किन्हीं चार अंतरों का विवरण दें। (4)

21. देश की अर्थव्यवस्था में बैंकों का क्या योगदान है? व्याख्या करें। (5)

22. सीमित दायित्व साझेदारी की व्याख्या करें। इसकी किन्हीं तीन विशेषताओं की व्याख्या करें। (5)

23. व्यवसाय प्रक्रिया बाह्यस्रोतीकरण को परिभाषित कीजिए। इसके क्या लाभ हैं ? (5)

24. थोक विक्रता की किन्हीं पांच विशेषताओं का उल्लेख करें। (5)

25. उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिये हमारे देश में उपभोक्ता अदालतों के क्षेत्र की व्याख्या करें। (5)

26. क्या अधिक से अधिक लाभ कमाना ही व्यापार का मुख्य उद्देश्य है ? व्याख्या करें। (6)

27. ''यद्यपि संप्रेषण एक व्यापक कार्य है, प्राय: यह व्यवहार में संतोषजनक नहीं है।''
उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्रभावी संप्रेषण की विभिन्न बाधाओं का उल्लेख करें। (6)

28. विज्ञापनदाता को प्रत्येक विज्ञापन के साथ-साथ उत्पाद की गुणवत्ता का भी ध्यान रखना चाहिए। इस कथन की व्याख्या कीजिए। (6)

29. ''बिना कर्त्तव्यों के अधिकार नहीं''। उपभोक्ताओं के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए। उपभोक्ताओं के विभिन्न कर्त्तव्यों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। (6)

30. उद्यमिता क्या है ? सफ़ल उद्यमी के गुणों की व्याख्या करें। (6)

अंक योजना
व्यवसाय अध्ययन
माध्यमिक पाठ्यक्रम

प्रश्न सं.	अनुमानित मूल्यांक	अंक
1.	(द)	(1)
2.	(ब)	(1)
3.	(स)	(1)
4.	(स)	(1)
5.	(ब)	(1)
6.	(ब)	(1)
7.	(ब)	(1)
8.	(ब)	(1)
9.	(ब)	(1)
10.	(द)	(1)

11. व्यवसाय को समाजिक रूप से उत्तरदायी होना चाहिए क्योंकि (निम्न में से किन्हीं तीन का संक्षेप में वर्णन करें)
(क) सार्वजनिक छवि (1 X 3 = 3)
(ख) सरकारी नियमन
(ग) उत्तरजीविता तथा वृद्धि
(घ) कर्मचारियों का संतोष
(ङ) उपभोक्ता की जागरूकता

12. व्यवसाय के गुण (कोई तीन संक्षिप्त उदाहरण के साथ) (1 X 3 = 3)
(क) यह एक आजीविका है
(ख) विशिष्ट ज्ञान तथा प्रशिक्षण आवश्यक है
(ग) सेवा प्रदान करना इसका मूल उद्देश्य है
(घ) पेशेवर संस्था द्वारा नियमन

13. व्यवसायिक संगठन में साझेदारी के मुख्य गुण हैं (संक्षेप में कोई तीन उदाहरण सहित) (1 X 3 = 3)
(क) दो या अधिक सदस्य
(ख) संविदा सम्बन्ध
(ग) कानून की सीमाओं के भीतर व्यवसाय
(घ) लाभ का वितरण
(ङ) असीमित दायित्व
(च) प्रधान-अभिकर्ता सम्बन्ध

14. **जांच पड़ताल से क्रय :** मान लीजिये कि आपको एक कमीज, पैन या कुछ सब्जियां क्रय करनी हैं। अब आप क्या करेंगे ? सम्भवत: आप पास की किसी दुकान पर जायेंगे और स्वयं शर्ट, पैन अथवा सब्जियों को क्रय करने से पहले देखेंगे। यह एक ऐसा तरीका है, जिसमें क्रेता स्वयं विक्रेता के पास जा कर वस्तु की जांच पड़ताल करता है तब क्रय करता है? अधिकतर यह फुटकर क्रय करने में प्रयोग में आता है।

नमूने द्वारा क्रय : जब आप अधिक मात्रा में कोई वस्तु क्रय करने के लिये जाते हैं तो यह सम्भव नहीं होता कि आप सम्पूर्ण वस्तु की जांच पड़ताल करें। आप सामान या वस्तु का नमूना देख कर वस्तु को क्रय करने का निश्चय करते है। सैम्पल या नमूना बानगी सामान अथवा कच्चे माल का अथवा खाद्य पदार्थ का नमूना होता है। यह अधिक मात्रा का प्रतिनिधित्व करता है। इसकी क्वालिटी/गुणवत्ता पूरे माल के गुण-दोष को दर्शाती है। इसी प्रकार से नमूना पूरे लाट के उत्पादन की गुणवत्ता को दर्शाता है जैसे कि कपड़ा अथवा जूट के गद्दे आदि। यह रंग आदि के सम्बंध में भी जानकारी देता है। कभी-कभी उत्पाद का कोड नम्बर भी होता है। क्रय का आदेश देते समय कोड नम्बर का प्रयोग किया जा सकता है। क्रेता तथा विक्रेता दोनों इस बात से सहमत होते है कि जो सैम्पल या नमूना दिखाया गया है। अधिक मात्रा में माल भी उसी तरह का होगा।

15. डाकघर द्वारा प्रदत्त सेवाएं (संक्षिप्त व्याख्या सहित) (1½ X 2 = 3)
क) बीमा सेवाएं
ख) अन्य सेवाएं

16. एक संयुक्त पूंजी कम्पनी, एक कृत्रिम व्यक्ति होती है जो कि नियमो/कानूनों द्वारा बनायी जाती है, उसकी अपनी कानूनी सीमाएं होती है। (1 + 3 = 4)

संयुक्त पूंजी कम्पनी की विशेषताएं (कोई तीन संक्षिप्त व्याख्या के साथ)
(क) कृत्रिम कानूनी व्यक्ति
(ख) अलग कानूनी इकाई
(ग) शाश्वत अस्तित्व
(घ) सीमित दायित्व
(ङ) सार्व मुद्रा

17. (क) बीमा योग्य हित : बीमा की विषय वस्तु में वित्तीय अथवा आर्थिक हित। (2 + 2 = 4)
(ख) क्षतिपूर्ति : बीमाकृत को घटना के घटित होने पर बीमित वस्तु से, बीमा अनुबंध के माध्यम से लाभ कमाने की अनुमति नहीं होती।

18. बहुउद्देशीय दुकानों के लाभ (कोई दो संक्षेप में व्याख्या के साथ) (1 X 4 = 4)

लाभ	**हानि**
(क) आसानी से पहचानना	(क) कर्मचारियों में पहलक्षमता का अभाव
(ख) बिचौलिये का उन्मूलन	(ख) अधिक स्थापना व्यय
(ग) अधिक मात्रा में बिक्री	

19. अप्रिय बातें जिनका ग्राहकों को सामना करना पड़ता है (किन्हीं चार का वर्णन व्याख्या सहित करें) :
(क) मिलावट (1 X 4 = 4)
(ख) हानिकारक वस्तुओं की बिक्री
(ग) अनुचित बाट तथा माप का प्रयोग
(घ) डुपलीकेट/नकली वस्तुओं की बिक्री
(ड़) काला बाजारी तथा गलत तरीके से माल का संग्रह करना
(च) बिक्री में बंधना
(छ) गुमराह करने वाले/भ्रमित करने वाले विज्ञापन

20. सवेतन नौकरी तथा स्वरोजगार में अन्तर बताइये : (1 X 4 = 4)

क्र.सं.	आधार	स्वरोजगार	सवेतन नौकरी
1.	प्रकृति	किसी का स्वयं के क्रियाकलापों में लगे रहना।	नियोक्ता द्वारा दिये गये कार्य में लगे रहना।
2.	स्थिति/दशा	किसी व्यक्ति की स्थिति नियोक्ता अथवा नियोजक की होती है।	स्थिति कर्मचारी की होती है।
3.	आमदनी/कमाई	आमदनी/कमाई निश्चित नहीं है। यह उद्यमी की सामर्थ्य पर निर्भर करती है।	आमदनी/कमाई घट या बढ़ सकती है। यह नियोक्ता द्वारा तय किया जाता है।
4.	जोखिम उठाना	सदैव कमाई का जोखिम रहता है। किसी समय यह समाप्त भी हो सकता है।	कोई जोखिम नहीं, जब तक नौकरी है अथवा कार्यरत है।

21. एक राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में बैंक के कार्य (कोई 2 बिंदु)

i. यह व्यक्तियों में बचत की आदत को बढ़ावा देते हैं तथा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने तथा प्रोन्नत करने का बढ़ावा देते हैं।

ii. यह उन व्यक्तियों के मध्य, मध्यस्थ का कार्य करता है। जिनके पास आवश्यकता से अधिक धन होता है तथा जिनको विभिन्न व्यवसायिक कार्य करने होते हैं।

iii. ये धन की प्राप्ति तथा भुगतान के माध्यम से तथा चैक के माध्यम से व्यापारियों को लेन-देन करने में सहायक होता है।

iv. ये व्यापारियों को अल्प अवधि तथा दीर्घ अवधि के लिए कर्ज देता है।

v. ये आयात तथा निर्यात को सरल बनाते हैं।

vi. ये राष्ट्र के उत्थान में सहायक, किसानों की सहायता करते हैं, लघु उद्योगों तथा बड़े उद्योगों की उन्नति तथा स्वरोजगार में सहायक होते हैं।

vii. ये सामान्य व्यक्तियों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिये उन्हें गृह, वाहन तथा अन्य कई वस्तुएं क्रय करने के लिये कर्ज देते हैं।

22. एक निगमित व्यवसाय जो पेशेगत विशेषज्ञता तथा उद्यमिता पहल क्षमता में सक्षम है ताकि लचीले तरीके से प्रचालित हो सके, नवप्रवर्तन एवं कार्यकुशल प्रबंधन, सीमित दायित्व के लाभ उपलब्ध कराए तथा अपने सदस्यों को साझेदारी के रूप में आंतरिक ढांचे में लचीलापन उपलब्ध कराए, वह सीमित दायित्व साझेदारी कहलाती है।

सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम 2008 की मुख्य विशेषताएं :

i. सीमित दायित्व साझेदारी एक निगमित संस्था है अपने साझेदारों से पृथक कानूनी इकाई है।

ii. सीमित दायित्व साझेदारी के साझेदारों के आपसी अधिकार तथा दायित्व एक समझौते द्वारा नियमित होते हैं।

iii. प्रत्येक सीमित दायित्व साझेदारी में न्यूनतम दो साझेदार होते हैं तथा न्यूनतम दो व्यक्तियों में से एक भारतीय नागरिक होना चाहिए।

23. व्यवसाय प्रक्रिया बाह्यस्रोतीकरण को ऐसे कार्य के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसकी जिम्मेदारी किसी अन्य पक्ष को सौंपी गई है, जबकि वह आंतरिक तंत्र अथवा सेवाओं से किया जा सकता था।
व्यवसाय प्रक्रिया बाह्यस्रोतीकरण के लाभ (कोई तीन)

i. लागतों में कमी

ii. कंपनी के मुख्य व्यवसाय पर ध्यान देना

iii. बाह्य विशेषज्ञता का लाभ उठाना
iv. निरंतर बदलती उपभोक्ता मांग की पूर्ति करना
v. आगम में वृद्धि

24. थोक विक्रेता के कार्य (कोई 5 संक्षेप में व्याख्या के साथ)
i. माल का संग्रह करना
ii. माल का भंडारण
iii. वितरण
iv. वित्तीयन
v. जोखिम उठाना
vi. मानकीकरण (श्रेणी विभाजन)
vii. मूल्य तय करना

25. उपभोक्ताओं के हितों की रक्षार्थ हमारे देश में उपभोक्ता न्यायालयों के क्षेत्र -

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अन्तर्गत ''उपभोक्ता संरक्षण'' न्यायालय जिला स्तर, राज्य स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर पर बनाये गये हैं। यह जिला उपभोक्ता संरक्षण, राज्य उपभेक्ता विवाद विस्तारण आयोग (राज्य आयोग) तथा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद विस्तारण आयोग (नेशनल आयोग) के रूप में जाने जाते है।

कोई व्यक्ति उपभोक्ता, एसोसिएशन (उपभोक्ताओं की) अपनी शिकायत, लिखित में जिला, राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर के उपभोक्ता संरक्षण केन्द्र पर दर्ज करा सकते है। यह माल के मूल्य तथा दावे की राशि पर निर्भर करता है।

जिला स्तर पर यदि माल या हर्जाने की कीमत ₹ 20 लाख तक हो तो शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। राज्य स्तर पर ₹ 20 लाख से ₹ 1 करोड़ तक की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यह राज्य आयोग, जिला स्तर के निर्णयों के विरूद्ध अपीलों को भी सुनता है।

राष्ट्र आयोग का क्षेत्र 1 करोड़ रूपयों से अधिक की शिकायतें सुनने का है। यह राज्य स्तरीय निर्णयों के खिलाफ अपीलें भी सुनता है।

यदि कोई राष्ट्रीय आयोग से संतुष्ट न हो तो वह सर्वोच्च न्यायालय में अपील कर सकता है।

26. ''अधिकतम लाभ नहीं'' ही केवल व्यापार का उद्देश्य नहीं है। बल्कि व्यापार के कई अन्य उद्देश्य भी हैं। जो कि निम्नलिखित हैं (कोई तीन संक्षिप्त व्याख्या सहित)
i. ग्राहकों को बढ़ाना
iii. नवप्रवर्तन
iv. संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग
v. गुणवत्ता वाले सामान तथा सेवा का उत्पादन तथा वितरण
vi. कर्मचारियों की अच्छी आर्थिक स्थिति बनाना।

27. संचार में सामान्य बाधाएं - (किन्हीं छः बिन्दुओं की संक्षिप्त व्याख्या सहित)
i. गलत संदेश
ii. अनदेखी करना/ध्यान न देना
iii. मंथन या छानना
iv. अस्पष्ट अनुमान
v. परिवर्तनों का विरोध
vi. आपस में अविश्वास

vii. स्तर/स्थिति

28. विज्ञापन का समुचित साधन, समाचार पत्र, रेडियो, टी.वी. आदि है। निम्न को ध्यान में रखते हुए बताएं (संक्षेप में विवरण भी दें) - ($1\frac{1}{2} \times 4 = 6$)

i. उत्पाद या सेवा की प्रकृति/प्रकार
ii. उपभोक्ता का उद्देश्य
iii. विज्ञापन का मूल्य
iv. समय तथा जगह की उपलब्धता

29. उपभोक्ता की जिम्मेदारियां (संक्षिप्त विवरण सहित)

i. स्वयं सहायता का उत्तरदायित्व
ii. लेन-देन का प्रमाण
iii. उचित दावा
iv. उत्पाद/सेवा का उचित प्रयोग

30. एक उद्यमी के रूप में कार्य कराना ही उद्यमिता है, जिसे इस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है कि वह व्यक्ति उद्यमी है जो नवप्रवर्तन करता है, वित्त का प्रबन्ध करता है तथा व्यवसाय की सहायता से नवप्रवर्तनों को आर्थिक माल में परिवर्तित करने का प्रयास करता है। ($2 + (1 \times 4) = 6$)

सफल उद्यमी के गुण :

i. पहल क्षमता
ii. जोखिम उठाने की इच्छाशक्ति
iii. अनुभव से सीखने की योग्यता
iv. अभिप्रेरणा
v. आत्म विश्वास
vi. निर्णय लेने की योग्यता